आराधना के बीच में विश्वासियों को बाइबल के तरीके सिखाये

जो बच्चों को सिखाते हैं उन्हें अध्ययन पी 7 बी पढ़ना चाहिये

प्रार्थना: ''प्रभु, सहायता कर कि हम जिस तरह यीशु और उसके प्रेरितों ने किया हम सिखा सकें"। उन गतिविधियों को चुने जो हाल की आवश्यकता और स्थानीय रीतिरिवाज में ठीक बैठते हों।

1. जिस प्रकार नया नियम की आवश्यकता है उसी प्रकार सिखाने की तैयारी करें।

इब्रानि 4:12 में खोजें- कि कैसे परमेश्वर अपने वचन को तलवार से तुलना करता है।

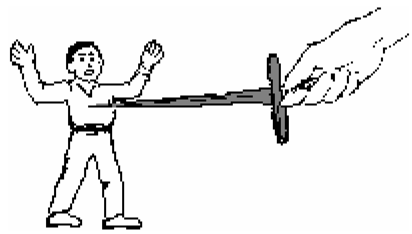

मत्ती 13 से सिखने के लिये मार्ग दर्शिका सीखे।

1-2 पदों में खोजें, यदि यीशु सिखाने के लिये पुलपिट के पीछे खड़ा हुआ।

[उत्तर: यीशु बैठा है जैसा कि उसने अवसर सिखाने के लिये किया। कभी कभी वह नाव पर बैठा, उसने वहाँ सिखाया जहाँ लोग थे, किसी क्लास रूम में नहीं। उसके चेलों ने उसके चरवाहे के गुणों को उदाहरण के रूप में लिया जिसे वे आसानी से अनुसरण कर सकते थे। अच्छे शिक्षक ऐसा ही करते हैं]

पद 3-9 एंव 34-45 में खोजें: यीशु का भीड़ को सिखने का तरीका।

[उत्तर: यीशु ने परमेश्वर के सत्यों को कहानियों के साथ प्रचार किया। लोग आसानी से कहानियाँ याद कर सकते थे और उन्हें दूसरें को बता सकते थे। यीशु ने जनता (लोगों) से बहस तर्क करने के लिये नहीं कहा। अच्छे शिक्षक नये विश्वासियों से बोलने के लिये नहीं कहते जब तक कि वे तैयार न हो]

पद 10-11 और 36 में खोजें: यीशु का चेलों को सिखाने का तरीका

[उत्तर: यीशु ने अपने चेलों के प्रश्न सुने और उनके साथ वार्ता की। उसने सिखाने की उस पद्दति को भी लिया जो झुण्ड के आकार और आत्मिक परिपक्वता के अनुसार है]

सुभाव: अधिक बातें करना दूर रखो। पुलपिट के भाषण नये झुण्ड के साथ नये अगुवों पर सही विश्वासी को डांटते और निरूत्साह करते हैं। नया नियम एक दूसरे के साथ करने की 38 गतिविधियां देता हैं कुछ गतिविधियां कई बार दूहराई गई है। गतिविधियों में एक दूसरे के साथ संगति करना है साथ क्षमा करना अपनी गलतियों का आंगीकार करना सही करना एक दूसरे की प्रशंसा करना शामिल हैं ऐसी प्रतिक्रियाए केवल छोटे झुण्ड में अच्छी होती हैं।

पढ़ 12-17 में खोजें यदि जो वचन सुन रहे है उनमें पवित्र आत्मा ऐसा हो असर उत्पन्न करता है।

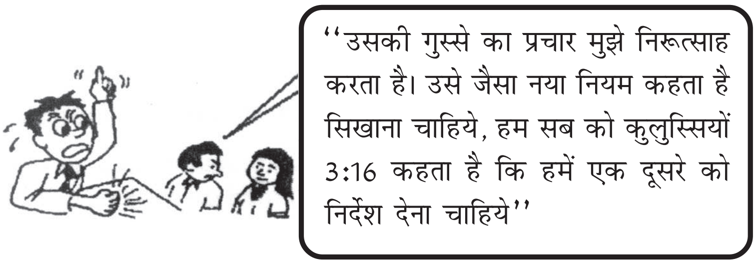

पद 18-23 में पता करें, यीशु को बीज़ बोने वाले की कहानी का मतलब।

[उत्तर: परमेश्वर के वचन हमारे ह्रदय में जड़ पकड़ने दो और पवित्र आत्मा उसे फलायेगा]

पद 24-30 और 37-43 में पता करें, हमें क्यों सच्चाई की शिक्षा पहचानने में आत्मा को ज्योति देने की आवश्यकता है।

पद 31-33 में खोजें जो फायदे सिखाने से आयेंगे उनका आकार।

पद 44-50 में खोजें-परमेश्वर के वचन को स्वीकार करने का अन्तिम परिणाम, तिरस्कार से जुलना करें।

पद 52 में खोजें, यदि शिक्षकों को विभिन्न साधन इस्तेमाल करना है।

[उत्तर: यीशु ने साधारण पाठशाला के समान तरीके इस्तेमाल नहीं किया जो अलग कडियों में विस्तार से शिक्षा की साफ सूचि प्रस्तुत करते हैं। यीशु ने दोनो पुराने और नई वाचाओं के साथ मिलाया, इतिहास से और वर्तमान जीवन से। हम परमेश्वर के सत्य को और परमेश्वर को एक अकेली तस्वीर में रखते हैं तो बेहतर समझ सकते हैं। परमेश्वर बहुत क्रिया शील है,अधिक जीवन बदल ने वाला और हमारे हृदयों के बहुत करीब जिससे उसके अलग कार्यो की सूचि में खोजी जा सके। ये इस प्रकार है कि किसी पेंटिंग की सुन्दरता की प्रशंसा उसके रंग को रसायनिक विश्लेषण द्वारा की जाये]

51-52 में ढूढ़ें - यीशु ने कैसे निश्चित किया कि लोगों ने उसकी शिक्षा को लागू किया ।

[यीशु ने प्रश्न पूछें। यीशु और उसके चेलों ने श्रोताओं से बातें की कि उनकी समझ को जान सकें। अच्छे शिक्षक विश्वासियों की सहायता शिक्षा पर वार्ता करते और लागू करने की योजना बनाते हैं]

बाइबल के चार तर्क के प्रश्न बाइबल पाठ से पूछकर उनके तर्क में सहायता करें।

1. आपको पाठ के विषय मे क्या अच्छा लगा?
2. इसके लिये आपके पास क्या प्रश्न हैं?
3. आपने उसमें आज्ञा या क्या प्रतिज्ञा पाई?
4. इसे लागू करने के लिये हमें क्या योजना बनाना चाहिये?

इफीसियों 4:11-16 में शिक्षा के अभिप्राय को सीखें:

11-12 पद में खोजें - एक अच्छी शिक्षा के परिणाम स्वरूप किसें झुन्ड की सेवा करनी चाहिये

पद 13-16 में खोजिये: चीजे जो अच्छी शिक्षा के परिणाम में होती हैं। ये पता करें कि दूसरी गतिविधियों के साथ किस प्रकार शिक्षा की गई है-जिसे परमेश्वर एक कलीसिया के देह के रूप में चाहता है।

2. सप्ताह के बीच करने वाली गतिविधियों की योजना । अपने सह कर्मियों के साथ बनायें।

नए शिक्षकों को प्रशिक्षित करें। ऊपर दी गई मार्ग दर्शिका का उनके साथ देखें। घरों और आराधना के समय उन्हें सिखाने दीजिये।

इन मार्ग दर्शिका का अनुसरण करने के लिये नई मन्डली की देखभाल के लिये कार्य कर्ताओं की सहायता कीजिए।

लोगों के घरों को जाये और उनकी आवश्यकताएं और प्रश्न का पता करें जिससे आप उन्हें सिखा सकें।

3. अगामी आराधना के बीच क्या करना है अपने सह कर्मियों के साथ कार्यक्रम बनायें।

समझायें कि परमेश्वर का वचन कैसे तलवार की तरह है (इब्रानी 4:12)

शिक्षा के मार्ग दर्शिक के दृष्टान्तों (मत्ती 13) को बातायें या नाटक करें तब ऊपर सूचि के अनुसार लोगों से चार प्रश्न पूछिये कि बाइबल पाठ में तर्क करने में सहायता हो सकें।

बच्चों ने जो तैयार किया उसे प्रस्तुत करने दें।

प्रभु भोज लेने से पहले 1 राजा 8:10-13 रासा सुलेमान के मन्दिर के अभिषेक करने के विषय ये बतायें कि हम मसीही परमेश्वर का मन्दिर है क्योंकि उसका पवित्र आत्मा हमारे अन्दर रहता है (1 कुरिन्थी 3:16)

उन लोगों ने जिन्होने परमेश्वर के वचन को अपने परिवार को सिखाया है या दूसरे लोगों के घरों में बतायें कि कैसे परमेश्वर ने उनके जीवन को बदल दिया।

कुलुस्सियों 3:16 साथ साथ कंठस्थ करो।